



CET-BED-2019

बी०एड० (द्विवर्षीय) पाठ्यक्रम (रेगुलर मोड) में प्रवेश

आयोजक : नालन्दा खुला विश्वविद्यालय, पटना

बिहार राज्य के विश्वविद्यालयों एवं उनसे सम्बद्ध/अंगीभूत महाविद्यालयों के शैक्षिक सत्र 2019-21 में प्रवेश हेतु निर्देशिका

शैक्षिक अर्हता

(Educational Qualification)

नियमित शिक्षा पद्धति (Regular Education Mode) के बी०एड० कॉलेज में नामांकन हेतु न्यूनतम शैक्षिक अर्हता :-

- (i) विज्ञान/सामाजिक-विज्ञान/मानविकी वर्ग में सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग हेतु न्यूनतम 50% (पच्चास प्रतिशत) अंकों के साथ स्नातक अथवा स्नातकोत्तर उपाधि अथवा बी०ई० एवं बी०टेक० में गणित एवं विज्ञान में विशेषज्ञता वाले छात्रों के लिये न्यूनतम 55% (पचपन प्रतिशत) अंकों के साथ अथवा उपर्युक्त के समतुल्य कोई अन्य अर्हता वाले अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु योग्य हैं ।

Candidates with at least 50% marks either in the Bachelor's Degree (10+2+3) and/ or Master's Degree in Science/Social Science/Humanity, Bachelors in Engineering/ Technology with specialisation in Science and Mathematics with 55% marks or any other qualification equivalent thereto, are eligible for admission to the B.Ed. programme.

- (ii) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग/अत्यन्त पिछड़ा वर्ग/निःशक्तजन/ पिछड़े वर्ग की महिलाएँ और अन्य श्रेणियाँ के लिए योग्यता अंकों में छूट और सीटों में आरक्षण बिहार सरकार के नियमों के अनुसार होंगी ।

The reservation in seats and relaxation in the qualifying marks for SC/ST/ BC/EBC/WBC/Differently abled and other categories shall be as per the rules of Government of Bihar.

- (iii) कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय में शिक्षा शास्त्री (बी०एड०) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु सामान्य नियम :-

(क) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से शास्त्री या बी०ए० (संस्कृत मुख्य विषय के रूप में) या तत्सम परम्परागत परीक्षा में न्यूनतम 50% प्राप्तांक के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा ।

(ख) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा परीक्षा संस्था द्वारा न्यूनतम 50% प्राप्तांक सहित शास्त्री बी०ए० (संस्कृत सहित) द्विवर्षीय पाठ्यक्रम के साथ आचार्य (प्रथम वर्ष) एम०ए० (संस्कृत) प्रथम वर्ष/हेतु परीक्षा (वृज कोर्स) पास करनी होगी । प्रतिशत निर्धारण में आचार्य प्रथम वर्ष या एम०ए० प्रथम वर्ष के अंक सहायक नहीं होंगे ।